सुरदास पद

दृढ इन चरणन केरो भरोसो ।

दृढ इन चरणन केरो ।। भरोसो...

श्री वल्लभ नख चंद्र छटा बिन ।

सब जग माही अंधेरो ।। भरोसो...

साधन और नहीं या कलि में ।

जासों होत निवेरो ।। भरोसो...

सूर कहा कहे विविध आंधरो ।

बिना मौल को चेरो ।। भरोसो...